No. of Printed Pages : 4 Roll No……

ED-2094(S)

B.A. (Part–I)
Suppl. EXAMINATION, 2021
HINDI LITERATURE
Paper Second
(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three hours

Maximum Marks : 75

नोट– *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **21**

(अ) विधाता को संसार दयालु, कृपालु, दीनबन्धु और न जाने कौन-कौन सी उपाधियाँ देता है। मैं कहती हूँ उससे अधिक निर्दयी, निर्मम, निष्ठुर कोई शत्रु भी नहीं हो सकता। इस अंधेरे निर्जन और काँटों से भरे हुए जीवन मार्ग में मुझे केवल एक टिमटिमाता हुआ दीपक मिला था। मैं उसे अपने आँचल में छिपाए, विधि को धन्यवाद देती हुई गाती चली जाती थी, पर वह दीपक भी मुझसे छीना जा रहा है।

अथवा

आखिर एक दिन उसने इन सब चीजों को जमा किया मखमली स्लीपर, रेशमी मोजे, तरह-तरह की बेलें, फीते, पिन, कंघियाँ आइने

कोई कहाँ तक गिनाए। अच्छा खासा एक ढेर हो गया। वह इस ढेर को गंगा में डुबा देगी और अब से एक नए जीवन का सूत्रपात करेगी। इन्हीं वस्तुओं के पीछे आज उसकी यह गति हो गयी है। आज वह इस मायाजाल को नष्ट कर डालेगी। उनमें कितनी ही चीजें तो ऐसी सुन्दर थीं कि उन्हें फेंकते मोह आता था, मगर ग्लानि की उस प्रचण्ड ज्वाला को पानी के ये छींटे क्या बुझाते!

(ब) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है; सब जल तरल, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्ज्वलित नहीं। सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है। प्रिय नाविक! तुम स्वदेश लौट जाओ, वैभवों का सुख भोगने के लिए और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले-भाले प्राणियों के दुखों में सहानुभूति और सेवा के लिए।

अथवा

सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटरे को हाथ में लेकर जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर, कुच्चियों को रंगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त। काम करते समय उसकी तन्मयता में ज़रा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुँकार उठता..... फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम। सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।

(स) आखिर पाँच बजते-बजते तैयारी मुकम्मल होने लगी। कुर्सियाँ, मेज, तिपाइयाँ, नैपकिन, फल सब बरामदे में पहुँच गए। टिंकू का इंतजाम बैठक में कर दिया गया। अब घर का फालतू सामान अलमारियों के पीछे और पलंगों के नीचे जाने लगा। तभी शामनाथ के सामने सहसा एक अड़चन खड़ी हो गयी माँ का क्या होगा?

अथवा

''बस यही बात है देवर! अब मेरा यहाँ कौन है? मेरा मरद तो मर गया। जीते-जी मैंने उसकी चाकरी की, उसके नाते उसने सब अपनों की चाकरी बजाई। पर जब मालिक ही न रहा, तो काहे को हड़कम्प उठाऊँ। यह लड़के, यह बहुएँ! मैं इनकी गुलामी नहीं करूँगी।''

2. 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

3. 'कफन' कहानी का कथानक समझाते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी में मानवीय संवेदनाओं का मार्मिक चित्रण हुआ है। इस कथन पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए— **15**

(1) उपेन्द्रनाथ अश्क की कहानी कला
(2) बालशौरी रेड्डी का संक्षिप्त परिचय
(3) घीसू की चारित्रिक विशेषता
(4) 'मलबे का मालिक' कहानी का उद्देश्य
(5) 'परदा' कहानी की कथावस्तु
(6) हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा
(7) शामनाथ का चरित्र।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पंद्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— **15**

(1) कथा सम्राट के नाम से विख्यात कहानीकार का नाम बताइए।

(2) जालपा को किस गहने से लगाव था?
(3) प्रेमचंद की किन्हीं दो कहानियों के नाम बताइए।
(4) 'गबन' उपन्यास की प्रमुख समस्या क्या है?
(5) कहानी के कितने तत्व होते हैं?
(6) बालशौरी रेड्डी की मातृभाषा क्या है?
(7) आपके पाठ्यक्रम में शामिल यशपाल की कहानी का नाम बताइए।
(8) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित महाकाव्य का नाम लिखिए।
(9) 'मानसरोवर' किसका कथा संग्रह है?
(10) भीष्म साहनी का जन्म कहाँ हुआ?
(11) गदल ने किससे पुनःविवाह किया?
(12) चंपा किस कहानी की पात्र है?
(13) छायावाद के प्रवर्तक का नाम बताइए।
(14) सिरचन क्या बुनता है?
(15) मोहन राकेश द्वारा रचित किसी एक नाटक का नाम बताइए।
(16) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक का नाम बताइए।
(17) कहानी संग्रह 'औरत की फितरत' के लेखक का नाम बताइए।
(18) सिरचन स्टेशन जाकर मानू को क्या देता है?